केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 77 गुरूवार 8 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ओमवीर सिंह बस्ती के नये एसपी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को करीब 20 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया गया। इसमें बस्ती के पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह भी शामिल हैं। उन्हें बस्ती से जौनपुर का पुलिस अधीक्षक बनाया गया है। उनकी जगह बलिया के पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह को बस्ती का नया पुलिस कप्तान नियुक्त किया गया है। डॉ. यशवीर सिंह ने बस्ती में कानून–व्यवस्था की जिम्मेदारी संभाली थी।

अब ओमवीर सिंह के सामने बस्ती में कानून–व्यवस्था बनाए रखने और अपराध रोकने की चुनौती होगी। नए कप्तान के कार्यभार संभालने के बाद जिले में पुलिस की प्राथमिकताएं तय होंगी। खासकर अपराध नियंत्रण, कानून–व्यवस्था और आम लोगों की शिकायतों को जल्दी निपटाने पर पुलिस का खास ध्यान रहेगा।

विकास योजनाओं की समीक्षा, दिया निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । विशेष सचिव, पंचायती राज, उत्तर प्रदेश शासन/जनपद के नामित नोडल अधिकारी राजेश त्यागी की अध्यक्षता में आकांक्षात्मक विकासखंड हर्रैया, कुदरहा, सल्टौआ गोपालपुर एवं विक्रमजोत में संचालित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए गए।

नोडल अधिकारी ने चारों आकांक्षात्मक विकास खंडों में शासन द्वारा निर्धारित विकास के विभिन्न मानकों एवं संकेतकों के आधार पर अब तक हुई प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, पेयजल, स्वच्छता, रोजगार, ग्रामीण विकास तथा आधारभूत सुविधाओं से संबंधित योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि आकांक्षात्मक विकासखंडों का मुख्य उद्देश्य विकास के विभिन्न मानकों में सुधार लाकर आमजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने विशेष रूप से उन क्षेत्रों पर ध्यान देने को कहा, जहां निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष प्रगति अपेक्षाकृत कम है। ऐसे बिंदुओं को चिन्हित कर प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए तथा उसके अनुरूप कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल, पीडी आनन्द कुमार गुप्ता, डीपीआरओ धनश्याम सागर, सीवीओ डा. ए.के. गुप्ता, जिला कार्यकम अधिकारी राजेश कुमार, बीएसए अनूप तिवारी, डीएसटीओ मनोज कुमार श्रीवास्तव, एलडीएम आर.एन. मौर्या सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, खंड विकास अधिकारी एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

चोरी की बाइक काटकर नेपाल में बेचते थे पार्ट्स: 4 गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर और आसपास के क्षेत्रों से मोटरसाइकिल चोरी कर उन्हें ग्राइंडर मशीन से काटकर अलग–अलग पार्ट्स में बेचने वाले गिरोह का कोतवाली पुलिस ने बुधवार को खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर चार मोटरसाइकिल, एक पिकअप और 10 मोटरसाइकिल के इंजन नंबर प्लेट समेत अन्य पुर्जे बरामद किए हैं।

भूटान के पीएम ने प्रधानमंत्री मोदी को बताया विष्णु का अवतार

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार में प्रमुख पद पर रहते हुए 25 साल पूरे करने पर बुधवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की। दोनों की मुलाकात की एक तस्वीर भी सामने आई है. इस तस्वीर में पीएम मोदी, लालकृष्ण आडवाणी से बात करते हुए, उनके हाथ पर हाथ रखे हुए नजर आ रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने निर्वाचित जनप्रतिनिधि के तौर पर जनसेवा के 25 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर जापान, भूटान, फिलिपीन, नेपाल, बेल्जियम, नाइजीरिया और बोत्सवाना समेत कई देशों के नेताओं ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। विदेशी नेताओं ने मोदी के लंबे राजनीतिक सफर, भारत के विकास और वैश्विक मंच पर देश की भूमिका को लेकर उनके योगदान का उल्लेख किया। मोदी 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री बने थे। उन्होंने लगातार तीन कार्यकाल तक मुख्यमंत्री के रूप में काम किया। इसके बाद मई 2014 में वह देश के प्रधानमंत्री बने और तब से केंद्र की राजनीति में लगातार नेतृत्व कर रहे हैं।

जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने मोदी को शुभकामनाएं देते हुए उनके राजनीतिक नेतृत्व और भारत के विकास में योगदान की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि मोदी वर्ष 2001 से सरकार के प्रमुख के तौर पर राजनीतिक नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने भारत के विकास को गति देने के साथ अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश की साख बढ़ाने में भी योगदान दिया है। तकाइची ने जुलाई में अपनी भारत यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें मोदी के साथ जापान–भारत विशेष रणनीतिक एवं वैश्विक साझेदारी को अगले स्तर तक ले जाने के लिए ठोस कदमों पर चर्चा करने का अवसर मिला। उन्होंने अगले वर्ष भारत और जापान के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 साल पूरे होने का भी उल्लेख किया। जापानी प्रधानमंत्री ने मुक्त और स्वतंत्र हिंद–प्रशांत क्षेत्र के लक्ष्य के लिए मोदी के साथ मिलकर काम करने की इच्छा जताई।

भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग टोबगे ने मोदी को बधाई देते हुए उन्हें 'हमारे समय का विष्णु अवतार' बताया। टोबगे ने 2019 में नई दिल्ली में एक आम नागरिक के तौर पर मोदी से हुई मुलाकात को याद किया। उन्होंने कहा कि उस समय उन्होंने मोदी से कहा था कि वह उन्हें बड़े भाई और 'विष्णु के अवतार' के रूप में देखते हैं।भूटानी प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी ने भारतीयों के मन में अपने और देश के प्रति मजबूत भरोसा पैदा किया है। उनके मुताबिक, भारत के प्रति लोगों में गर्व, देश की संभावनाओं को लेकर महत्वाकांक्षा और दुनिया में भारत की भूमिका को लेकर आत्मविश्वास बढ़ा है। फिलिपीन के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर, जिन्हें बोंगबोंग मार्कोस के नाम से जाना जाता है, ने भी मोदी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि गुजरात से दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का नेतृत्व करने तक मोदी का सफर सुशासन, नवाचार, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर देने वाला रहा है। मार्कोस ने कहा कि इन प्रयासों ने भारत में बदलाव लाने और वैश्विक मंच पर उसकी भूमिका बढ़ाने में योगदान दिया है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने सोशल मीडिया पर मोदी को बधाई देते हुए उनके समर्पित जनसेवा के 25 साल पूरे होने पर शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी ने देश के लिये जीवन समर्पित किया- हरीश द्विवेदी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी, द्वारा आयोजित विकसित भारत संकल्प सभा 'सेवा ज्योति यात्रा' का शुभारंभ शास्त्री चौक पर हुआ। कार्यक्रम का आयोजन भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, विशिष्ट अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री बस्ती के प्रभारी डॉ सतेन्द्र सिन्हा उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक सुनील सिंह,विजय पांडे राजू,कार्यक्रम का संचालन अमृत कुमार वर्मा ने किया, शास्त्री चौक पर विशाल जनसमूह एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नेताओं ने जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के संकल्प को दोहराया।

कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि जिस समर्पण के साथ मोदी जी पिछले 25 सालों से मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में लोगों की सेवा कर रहे हैं, वो अद्भुत है। ईश्वर मोदी जी को लंबी आयु दे,देश और देश की जनता के प्रति मोदी जी का समर्पण राजनीति में अद्भुत, अद्वितीय और अलौकिक हैआज मोदी जी को लोगों की सेवाकरते हुए 25 साल पूरे हो रहे हैं अपना पूरा जीवन उन्होंने देश के लिए खपा दिया और आज भी वो उसी जज्बे के साथ देश के लोगों की सेवा कर रहे हैं अतिथियों द्वारा भी श्सेवा ज्योतिश प्रज्वलित की गई।

-विकसित भारत संकल्प सभा 'सेवा ज्योति यात्रा' शुरू

सेवा ज्योति प्रज्वलित होने के उपरांत निर्धारित स्थल से जिले को चार भागों में विभाजित कर विशाल पद यात्राएं निकाली गईं, ।

जिला मीडिया प्रभारी अजय पाल सिंह ने बताया कि स्थानीय जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या उपस्थित रही, जिनमें विधायक अजय सिंह, राजेन्द्रनाथ तिवारी, राजेश पाल चौधरी, वैभव पांडे , श्याम बिहारी गौड, डॉ रोली सिंह,राज किशोर सिंह, नेहा वर्मा ,रवि सोनकर, संजय जायसवाल, दयाराम चौधरी, प्रेम सागर तिवारी, यशकांत सिंह,सुशील सिंह, पवन कसौधन, संजय चौधरी,अंकुर वर्मा,राणा दिनेश सिंह, अश्वनी उपाध्याय ,गजेंद्र सिंह,अनिल दुबे, अरविंद श्रीवास्तव, प्रत्युष विक्रम सिंह, भानु प्रकाश मिश्रा, अखंड प्रताप सिंह,अरविंद पाल, डॉ.रघुवर पांडे ,वीरेंद्र गौतम, ब्रह्मदेव यादव,दिलीप पाण्डेय, शिवानी सिंह , शालिनी मिश्रा,अभिषेक कुमार गौतम, प्रेम प्रकाश चौधरी,सुनील सिंह,राकेश शर्मा, पप्पू शुक्ला राजेन्द्र राजभर, अवनीश सिंह, अमित गुप्ता, राघवेन्द्र सिंह, राकेश श्रीवास्तव, हरीश सिंह, सरोज मिश्रा, भूपेंद्र सिंह, नीलम गौड़ , प्रदीप निषाद, मनमोहन श्रीवास्तव, सुरेन्द्र कुमार चौधरी, सुधाकर पाण्डेय श्नीरजश, विनय सिंह भारद्वाज, राधेश्याम कमलापुरी, रवि तिवारी ,नीरज त्रिपाठी, अरविंद श्रीवास्तव गोला, रवि सिंह, संध्या दिक्षित, जगदंबा शुक्ला, ओमकार सिंह, विनय सिंह सोनू, मनोज कुमार पाठक, लवकुश शुक्ला, प्रमोद पांडे, गंगेश सिंह, गौरव मणि तिवारी, गिरजेश यादव, जनक राम गौतम, जमुना पाण्डेय, सुजीत सोनी, सुधाकर विक्रम सिंह, सुरेश भट्ट, कमेन्द्र चौहान, सर्वजीत भारती, विशुद्धानंद त्रिपाठी, शिव प्रसाद चौधरी, तारक जायसवाल, विजय भान सिंह, अंकित पाण्डेय श्पवनश, संजय कुमार चौरसिया, आशा सिंह, वेद प्रकाश त्रिपाठी, दुर्गेश अग्रहरी, शिवचरण जायसवाल, जवाहर लाल जायसवाल, दुष्यंत विक्रम सिंह, राज कुमार शुक्ल, सत्येन्द्र सिंह श्भोलूश, विनय यादव, नागेंद्र सिंह सिंकु, श्रुति अग्रहरि, मनोज सिंह, विजय कुमार राजू, जगदीश अग्रहरी, प्रमोद चौधरी, गिल्लम चौधरी, नितेश शर्मा, सचिन सिंह, मनीष पांडे, हरि शंकर सिंह लाखन, आलोक सिंह अंशु, विनय प्रताप सिंह सोनू, अमरनाथ सिंह,चंद्रशेखर मुन्ना,रमेश चक्रवर्ती, सचिन सिंह,अभिनव उपाध्याय आदि शामिल रहे।

समाजवादियों ने निकाला संविधान बचाओ, वोट बचाओ, देश बचाओ पैदल मार्च

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को समाजवादी पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष एवं बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव के नेतृत्व में कटेश्वरपार्क स्थित बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा के साथ ही गांधीकला भवन स्थित बापू प्रतिमा तक लोकतंत्र बचाओ, संविधान बचाओ, वोट बचाओ, देश बचाओ पैदल मार्च निकाला। इस मार्च में हजारों की संख्या में समाजवादी हाथो में तख्तियां लिये सड़क पर उतरे तो जाम लग गया। बड़ी संख्या में सपा नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान की रक्षा के समर्थन में नारे लगाए। नेताओं ने लोगों से अपने अधिकारों और मताधिकार के प्रति जागरूक रहने की अपील की। इस दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन करते हुए "वोट चोर" के नारे लगाए।

पैदल मार्च को ऐतिहासिक बताते हुये सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि प्रत्येक नागरिक के वोट की सुरक्षा और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित होना जरूरी है। निर्वाचन व्यवस्था को लेकर आम जनता के मन में उठ रहे सवालों और आशंकाओं को गंभीरता से लेते हुए चुनाव प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध लगाए जा रहे आरोपों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। यदि जांच में संवैधानिक पद की गरिमा या निर्वाचन संबंधी नियमों के उल्लंघन की पुष्टि होती है तो उन्हें पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाए। महेन्द्रनाथ यादव ने बस्ती के ऐतिहासिक पैदल मार्च की राष्ट्रीय अखिलेश यादव द्वारा सराहना किये जाने के प्रति आभार जताया।

–मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार की स्वतंत्र जांच हो– महेन्द्रनाथ यादव

विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी 'अतुल', पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय आदि ने कहा कि मतदाता सूची में किसी भी प्रकार की अनियमितता को तत्काल दूर करने, मतदाताओं के मताधिकार की सुरक्षा, चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित करने तथा निर्वाचन संबंधी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण स्वस्थ लोकतंत्र के लिये आवश्यक है। कहा कि वोट चोरी को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। निष्पक्ष चुनाव व्यवस्था लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी है।

पैदल मार्च में मुख्य रूप से राजाराम यादव, पूर्व विधायक राम जियावन, विजय विक्रम आर्य, राजेन्द्र चौरसिया, समीर चौधरी, दयाशंकर मिश्र, गीता भारती, प्रवीण पाठक, अरविन्द यादव, चन्द्र प्रकाश चौधरी, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह, वृजेश मिश्र, रामकरन चौरसिया, अयाज अहमद, निजामुद्दीन, वीरेन्द्र चौधरी, समीर चौधरी, जावेद पिण्डारी, मो. सलीम, गुलाब सोनकर, संजय गौतम, रमाकान्त सिंह, संदीप चौधरी, सुधीर चौधरी, शैलेन्द्र दूबे, रणजीत यादव, कैश मोहम्मद, राम सिंह यादव, रामशंकर निराला, अखिलेश यादव, अजय यादव, रहमान सिद्दीकी, वैजनाथ शर्मा, जितेन्द्र यादव, प्रशान्त यादव, अशोक सिंह, चन्द्रिका यादव, सन्नी मिश्र, निजामुद्दीन, रनबहादुर यादव, तूफानी यादव, मो. हारिश, भोला पाण्डेय, सचिन श्रीवास्तव, जमील अहमद के साथ ही हजारों की संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता, पदाधिकारी शामिल रहे।

राहुल गांधी, प्रियंका फिर हिरासत में

नई दिल्ली (आभा)। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर राहुल और प्रियंका गांधी ने बुधवार को लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। इस बार दोनों जंतर–मंतर के 200 मीटर पहले सड़क पर बैठ गए। सुरक्षा बलों ने उन्हें आगे नहीं जाने दिया तो प्रियंका संविधान की कॉपी लेकर सड़क पर लेट गईं। इस बीच कांग्रेस कार्यकर्ता की सुरक्षाबलों के साथ धक्का–मुक्की भी हुई। इससे पहले राहुल–प्रियंका विपक्षी सांसदों के साथ सागर रत्ना रेस्टोरेंट में लंच के बाद जंतर–मंतर के लिए निकले थे। लंच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिया था। इस लंच में सपा के नेता नहीं पहुंचे।

एक दिन पहले इंडिया ब्लॉक के 200 से ज्यादा सांसदों ने संसद से चुनाव आयोग के ऑफिस तक मार्च निकाला था, लेकिन उन्हें पहले ही रोक दिया गया। इसके बाद राहुल और प्रियंका ने आकाशवाणी परिसर में 8 घंटे धरना दिया था। इस दौरान राहुल और प्रियंका को दो बार हिरासत में लिया गया। आकाशवाणी परिसर में जबरन घुसने पर दोनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

सेवा ज्योति यात्रा को लेकर उत्साह: बाइक यात्रा के साथ पहुंचे इ. अरविन्द पाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित विकसित भारत संकल्प सभा 'सेवा ज्योति यात्रा' को लेकर पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह है। बुधवार को शास्त्री चौक पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र, राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी प्रभारी डॉ. सतेन्द्र सिन्हा की उपस्थिति में वरिष्ठ भाजपा नेता एवं 310 विधानसभा क्षेत्र से भावी प्रत्याशी इंजीनियर अरविन्द पाल 500 बाइक सवारों के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ पिछले 25 वर्षो से मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री के रूप में देश एवं जनता की सेवा किया उसका उदाहरण नहीं मिलता। नयी पीढी को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिये। उनके साथ करोड़ो भारतवासियों का अटूट विश्वास जुड़ा है।

कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

–करोड़ो भारतवासियों की प्रेरणा हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी–इ. अरविन्द पाल

वक्ताओं ने कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना भाजपा की प्राथमिकता है।

इंजीनियर अरविन्द पाल ने बताया कि सेवा ज्योति प्रज्वलित होने के उपरांत बस्ती शहर को चार हिस्सों में विभाजित कर विशाल पदयात्राएं निकाली गईं। पहली पदयात्रा गांधी नगर मार्ग की ओर, दूसरी अमहट की ओर, तीसरी कलेक्ट्रेट से रौता चौराहा की दिशा में तथा चौथी पदयात्रा पुराने डाकखाने की ओर निकाली गई। उन्होंने बताया कि इन पदयात्राओं के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर सामाजिक सेवा, जनजागरण और लोगों से संवाद का कार्यक्रम किया गया। कार्यकर्ताओं ने आमजन को सेवा और राष्ट्र निर्माण से जुड़े संकल्पों के प्रति जागरूक किया।

सनातन धर्म की रक्षा के लिये अभियान तेज करें कार्यकर्ता- विनय सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। बुधवार को हिन्दू युवा वाहिनी की बैठक बनकटी स्थित एक मैरेज हाल में ब्लाक प्रभारी अशोक मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए जिला महामंत्री संगठन विनय सिंह ने कहा कि परमपूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज के संरक्षण में एवं प्रदेश प्रभारी राघवेन्द्र प्रताप सिंह पूर्व विधायक डुमरियागंज के नेतृत्व में चल रहे संगठन के सभी कार्यकर्ता पदाधिकारियों की जिम्मेदारी है कि सनातन धर्म, हिंदुत्व, गौ रक्षा, मठ मंदिर की सुरक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है । कार्यकर्ता गांव गांव जाकर कार्य करें जिससे आने वाली पीढ़ियां भी हिन्दुत्व पर मजबूती से कार्य कर सके। जिला महामंत्री कन्हैयालाल ने कहा कि सरकार की सारी योजनाओं को गांव–गांव तक पहुंचाने की भी जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं को लेना पड़ेगा।

बैठक में कार्यालय प्रभारी धर्मेंद्र कुमार के साथ ब्लॉक प्रभारी– अशोक मिश्रा, सह प्रभारी– दिलीप चौधरी, ब्लॉक संयोजक –रामानंद सिंह, सहसंयोजक– ओंकार शुक्ला, ब्लॉक अध्यक्ष– जितेन्द्र राय, उपाध्यक्ष– रामायण चौधरी, रमन दुबे, बच्चू लाल, पप्पू लाल अग्रहरि, श्री राम यादव, ध्रुव चंद चौधरी, विष्णु सिंह, महामंत्री संगठन– धर्मेंद्र कुमार अग्रहरी, महामंत्री– हरिश्चंद्र, मंत्री– ओमप्रकाश विश्वकर्मा, बदलू, सोमनाथ अग्रहरि, दीनानाथ अग्रहरि, लवकुश चौहान, कोषाध्यक्ष– शैलेंद्र अग्रहरी, मीडिया प्रभारी– राजन चौधरी, सह मीडिया प्रभारी– सोनू गौतम, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया प्रभारी– राकेश चौधरी, कार्य समिति– लव कुश, कौशल वर्मा, शिवम मिश्रा, सहित अनेक कार्यकर्ताओं को केसरिया अंग वस्त्र पहनाकर किया गया सम्मानित किया गया।

यूपीआई ट्रांजैक्शन शुल्क के विरोध में व्यापारियों ने किया प्रदर्शन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को यूपीआई ट्रांजैक्शन पर प्रस्तावित शुल्क लगाए जाने के विरोध में उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के पदाधिकारियों और व्यापारियों ने जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। इसके बाद जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपकर प्रस्तावित शुल्क वापस लेने की मांग किया गया।

–जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन, शुल्क वापस लेने की मांग

ज्ञापन देने के बाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं मण्डल अध्यक्ष हरि मूर्ति सिंह 'मनोज' ने कहा कि 15 अक्टूबर से 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई ट्रांजेक्शन पर 0.04 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने का प्रस्ताव व्यापारियों के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि व्यापारी पहले से ही विभिन्न प्रकार के करों और शुल्कों का भुगतान कर रहे हैं। ऐसे में डिजिटल भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने से व्यापारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा।

जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने कहा कि यूपीआई डिजिटल भुगतान व्यवस्था का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। ऐसे में इस पर अतिरिक्त शुल्क लगाए जाने से व्यापार प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि इसका असर अंततः उपभोक्ताओं पर भी पड़ सकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री से व्यापारिक हितों को ध्यान में रखते हुए यूपीआई ट्रांजैक्शन पर प्रस्तावित शुल्क वापस लेने की मांग की। कहा कि जब प्रधानमंत्री 'वन नेशन, वन टैक्स' की बात करते हैं तो जिला पंचायत द्वारा व्यापारियों से सीपी टैक्स की वसूली क्यों की जा रही है। उन्होंने इस मुद्दे पर भी शासन–प्रशासन से आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

प्रदेश उपाध्यक्ष परमात्मा प्रसाद मद्धेशिया ने प्रदर्शन में शामिल सभी पदाधिकारियों और व्यापारियों का व्यापारी एकता के लिए आभार व्यक्त किया। कहा कि व्यापारी हितों की रक्षा के लिए संगठन लगातार संघर्ष करता रहेगा। व्यापारियों की समस्याओं को शासन और प्रशासन के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाता रहेगा।

ज्ञापन सौंपने और प्रदर्शन के दौरान जिला महामंत्री आलोक दुबे, जिला संगठन महामंत्री भरत राम अग्रहरी 'बबलू', जिला कोषाध्यक्ष महेन्द्र गुप्ता, नगर अध्यक्ष महेंद्र प्रताप, नगर महामंत्री धीरेन्द्र चौधरी, नगर संगठन महामंत्री डॉ. प्रदीप सिंह, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष कुलदीप श्रीवास्तव, महामंत्री सत्य प्रकाश दुबे, जिला संगठन मंत्री संजय सिंह, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष वंदना वर्मा, जिला महामंत्री गीता देवी, जिला कोषाध्यक्ष राजेश्वरी शर्मा समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और व्यापारी मौजूद रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 8 अक्टूबर 2026, गुरुवार

सम्पादकीय

आयोग और विपक्ष

राहुल गांधी और चुनाव आयोग के बीच बढ़ती टकराहट सिर्फ एक राजनीतिक विवाद नहीं, लोकतंत्र के भरोसे की परीक्षा है। भारत की राजनीति इस समय एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां चुनाव केवल सत्ता बदलने का माध्यम नहीं रह गए हैं, बल्कि चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता खुद बहस का विषय बन गई है। राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष जिस तरह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी "प्, चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे को लेकर लगातार सड़क पर उतर रहा है, उसने देश की राजनीति को एक बार फिर तीखे टकराव के दौर में पहुंचा दिया है।

6 अक्टूबर को दिल्ली में विपक्षी सांसदों का चुनाव आयोग की ओर मार्च, धरना और उसके बाद राहुल गांधी समेत नेताओं की हिरासत ने इस विवाद को और बड़ा बना दिया। विपक्ष का कहना है कि मतदाता सूची में बदलाव और वोटरों के नामों से जुड़े सवालों का स्पष्ट जवाब मिलना चाहिए। दूसरी तरफ भाजपा और चुनाव आयोग का तर्क है कि विपक्ष राजनीतिक आरोपों के सहारे संवैधानिक संस्था पर अविश्वास पैदा कर रहा है।

सवाल यह है कि आखिर देश इस विवाद को किस नजरिए से देखे?

सबसे पहले यह समझना होगा कि चुनाव आयोग किसी राजनीतिक दल का संस्थान नहीं है। वह सत्ता पक्ष का भी नहीं है और विपक्ष का भी नहीं। उसकी विश्वसनीयता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि चुनाव हारने वाला दल भी परिणाम स्वीकार कर सके और जीतने वाला दल भी यह दावा कर सके कि उसकी जीत निष्पक्ष प्रक्रिया से हुई है।

यही लोकतंत्र की असली ताकत है। राहुल गांधी लगातार चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप लगा रहे हैं। हाल के विवाद में उन्होंने थ्वतउ–6 में बदलाव को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए। चुनाव आयोग ने उनके कुछ दावों को भ्रामक बताया है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने संबंधित मामले में यह स्पष्ट किया कि उसने थ्वतउ–6 में किसी संशोधन को मंजूरी नहीं दी थी और रिकॉर्ड की जांच की जानी है।

यहीं से असली सवाल पैदा होता है। अगर विपक्ष का आरोप गलत है तो उसे तथ्य और दस्तावेजों के साथ गलत साबित किया जाए। और अगर किसी प्रक्रिया में सचमुच कोई गलती हुई है तो उसे सामने लाकर सुधारने में संकोच क्यों होना चाहिए? लोकतंत्र में संस्थाओं की प्रतिष्ठा सवाल पूछने से नहीं घटती। प्रतिष्ठा तब घटती है जब सवालों के जवाब अस्पष्ट रह जाते हैं। लेकिन विपक्ष के लिए भी यही कसौटी लागू होनी चाहिए। राहुल गांधी अगर 'वोट चोरी' जैसा गंभीर आरोप लगाते हैं तो उन्हें केवल राजनीतिक मंच से आरोप लगाने के बजाय हर आरोप के साथ ठोस प्रमाण, बूथवार आंकड़े, मतदाता सूची की तुलना और दस्तावेज जनता के सामने रखने चाहिए। लोकतंत्र में आरोप जितना बड़ा होता है, प्रमाण की जिम्मेदारी भी उतनी ही बड़ी होती है।सिर्फ यह कहना कि 'वोट चोरी हुई है' पर्याप्त नहीं है।

उसी तरह सत्ता पक्ष के लिए भी केवल यह कह देना पर्याप्त नहीं कि विपक्ष हार की निराशा में आरोप लगा रहा है। जनता को जवाब चाहिए।

यही फर्क लोकतांत्रिक राजनीति और राजनीतिक बयानबाजी के बीच है। आज सबसे बड़ी चिंता यह नहीं होनी चाहिए कि राहुल गांधी मजबूत हो रहे हैं या कमजोर। असली चिंता यह होनी चाहिए कि आम मतदाता को अपने वोट पर कितना भरोसा है। एक गरीब किसान, मजदूर, दुकानदार, शिक्षक, युवा या पहली बार वोट देने वाला व्यक्ति जब मतदान केंद्र पर जाता है तो उसके मन में सिर्फ एक विश्वास होना चाहिएकृउसका नाम मतदाता सूची में सुरक्षित है, उसका वोट दर्ज होगा और उसकी पसंद का सम्मान होगा।

अगर यह विश्वास कमजोर हुआ तो नुकसान केवल विपक्ष का नहीं होगा। नुकसान सत्ता पक्ष का भी नहीं होगा। नुकसान पूरे लोकतंत्र का होगा।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां सरकारें बदलती हैं, पार्टियां हारती हैं, नेता जीतते हैं, नेता हारते हैं। लेकिन चुनाव की प्रक्रिया पर जनता का विश्वास नहीं हारना चाहिए।

आज राहुल गांधी विपक्ष के सबसे प्रमुख चेहरों में हैं। इसलिए उनके हर कदम का राजनीतिक महत्व है। लेकिन विपक्ष की जिम्मेदारी केवल सरकार पर सवाल उठाना नहीं है। विपक्ष को यह भी बताना होगा कि वह सत्ता में आने पर चुनावी संस्थाओं को कैसे मजबूत करेगा, मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी कैसे बनाएगा और राजनीतिक दलों को चुनावी प्रक्रिया में किस तरह जवाबदेह करेगा।

दूसरी ओर नरेंद्र मोदी सरकार के सामने भी एक बड़ी राजनीतिक चुनौती है। मजबूत सरकार की पहचान यह नहीं होती कि वह विपक्ष के हर आरोप को खारिज कर दे। मजबूत सरकार की पहचान यह होती है कि वह इतने पारदर्शी तरीके से जवाब दे कि आरोप टिक ही न पाएं। लोकतंत्र में पारदर्शिता कमजोरी नहीं, ताकत है। इस समय देश को किसी एक नेता के पक्ष या विपक्ष में खड़े होने से ज्यादा जरूरत उस प्रक्रिया के पक्ष में खड़े होने की है जिसमें हर नागरिक का वोट बराबर हो। और यही बात उत्तर प्रदेश के संदर्भ में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

उत्तर प्रदेश 2027 के विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रहा है। राज्यसभा चुनाव की राजनीतिक हलचल ने भी साफ कर दिया है कि प्रदेश में चुनावी गणित अब तेजी से सक्रिय हो चुका है। यूपी की 10 राज्यसभा सीटों पर भाजपा के आठ और सपा के दो उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना लगभग तय हो चुका है। इसके बाद राजनीतिक दलों की निगाहें सीधे 403 विधानसभा सीटों पर हैं।

ऐसे माहौल में मतदाता सूची, बूथ प्रबंधन, गठबंधन, जातीय समीकरण, युवा मतदाता और महिला मतदाताकृहर चीज चुनावी राजनीति के केंद्र में आने वाली है। इसलिए आज उठ रहे सवालों को केवल दिल्ली का राजनीतिक प्रदर्शन समझना भूल होगी। यह बहस 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव तक जाएगी। राहुल गांधी के लिए भी यह समय निर्णायक है। यदि वह 'वोट अधिकार' को बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाना चाहते हैं तो उन्हें इसे केवल मोदी विरोध तक सीमित नहीं रखना चाहिए। उन्हें इसे आम मतदाता के अधिकार का आंदोलन बनाना होगा। तभी यह मुद्दा राजनीतिक नारे से आगे बढ़कर जनविश्वास का सवाल बन पाएगा। भाजपा के सामने भी चुनौती कम नहीं है। सत्ता में रहते हुए उसे यह साबित करना होगा कि चुनाव आयोग स्वतंत्र है, मतदाता सूची पारदर्शी है और हर योग्य नागरिक को वोट देने का समान अधिकार मिल रहा है।चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी है किसी भी राजनीतिक दबाव से ऊपर दिखाई देना।क्योंकि लोकतंत्र में निष्पक्षता केवल होनी ही नहीं चाहिए, दिखनी भी चाहिए।

प्रेमानंद विवादः यूट्यूबरों के कृत्यों और कंगारू कोर्ट का कारनामा

संजय सक्सेना

डिजिटल युग में भारत के भीतर सूचना तंत्र का लोकतांत्रिकरण जिस तेजी से हुआ है, उसने पारंपरिक मीडिया की सीमाओं को तोड़कर अभिव्यक्ति को एक नया खुला आसमान दिया है। इस बदलाव के सबसे बड़े केंद्र बनकर उभरे हैं देश के लाखों स्वतंत्र डिजिटल रचनाकार और यूट्यूबर, जिन्होंने समाज की आवाज बनने और जनसरोकार से जुड़े मुद्दों को उठाने का बीड़ा उठाया। लेकिन इसी व्यापक और बेलगाम होते जा रहे डिजिटल संसार का एक दूसरा स्याह और डरावना पहलू भी सामने आ रहा है। नाम, शोहरत, व्यूज और मोटी कमाई यानी नाम और दाम की इस अंधी दौड़ में डिजिटल मंचों का एक बड़ा हिस्सा सनसनीखेज कंटेंट परोसने की ऐसी प्रयोगशाला बन चुका है, जो समाज, संवैधानिक मर्यादाओं और देश के शांतिपूर्ण ताने–बाने के लिए गहरी चिंता का विषय बनता जा रहा है। सरोकार की पत्रकारिता या रचनात्मकता का स्थान अब एजेंडा संचालित वीडियो, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की कोशिशों, राजनीतिक विद्वेष और किसी प्रतिष्ठित शख्सियत की छवि को मिट्टी में मिलाने के सुनियोजित प्रयासों ने ले लिया है। सूचनाओं के इस महासागर में विश्वसनीयता और संवेदनशीलता पूरी तरह दरकिनार हो चुकी हैं, और अब स्थिति यह हो गई है कि क्लिक और एल्गोरिदम की रेटिंग के लिए समाज के सौहार्द को दांव पर लगाने से भी गुरेज नहीं किया जा रहा है।

इस अनियंत्रित दौर में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अर्थात एआई की नई तकनीकों ने इस मनमानी को एक ऐसा घातक हथियार दे दिया है, जिसकी वजह से सच और झूठ के बीच का अंतर लगभग खत्म हो चुका है। डीपफेक, वॉयस क्लोनिंग और हेरफेर किए गए विजुअल्स का सहारा लेकर किसी भी सम्मानित नागरिक, राजनेता, अभिनेता या आध्यात्मिक गुरु के चेहरे को झूठी कहानियों में फिट कर दिया जाता है। इस एआई संचालित प्लेटफॉर्म का उपयोग अब वैचारिक नफरत फैलाने, फेक न्यूज को असली खबरों की तरह प्रस्तुत करने और किसी भी संवेदनशील घटना को दंगे की आग में झोंकने के उपकरण के रूप में किया जा रहा है। जब किसी भी घटना की सत्यता को परखे बिना सनसनीखेज थंबनेल और भड़काऊ बयानों के साथ वीडियो अपलोड किए जाते हैं, तो वह समाज में अराजकता फैलाने का जरिया बनते हैं। कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जहां

केवल राजनीतिक दलों के खिलाफ नैरेटिव सेट करने या किसी विशिष्ट विचारधारा को लाभ पहुंचाने के लिए आधारहीन और मनगढ़ंत तथ्यों को डिजिटल मीडिया पर दिन–रात चलाया जाता है। यह खेल महज कुछ व्यूज तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा व्यापारिक मॉडल काम कर रहा है, जो समाज में दरारें पैदा करके ही मुनाफा कमाता है।

डिजिटल कंटेंट क्रिएशन की इस आक्रामकता और संवेदनहीनता का एक ज्वलंत और हालिया उदाहरण प्रख्यात आध्यात्मिक संत प्रेमानंद महाराज और जाने–माने यूट्यूबर व पत्रकार शुभांकर मिश्रा के बीच उपजे हालिया विवाद में खुलकर सामने आया है। वृंदावन के एक आश्रम में हुई एक दुखद घटना और प्रेमानंद महाराज के शिष्य दीपक लोधी (रसिक दुलारी) की रहस्यमयी मौत के बाद, स्वतंत्र डिजिटल मीडिया ने इस मामले को सनसनी की तरह पेश करना शुरू कर दिया। शुभांकर मिश्रा ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस घटनाक्रम की रिपोर्टिंग करते हुए और आश्रम की व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाते हुए इसे बेहद संवेदनहीनता के साथ आश्रम 2.0 का नाम दे दिया, जिसकी तुलना एक विवादास्पद वेब सीरीज से की जाने लगी। उन्होंने अपने वीडियो के माध्यम से यह नैरेटिव सेट करने की कोशिश की कि क्या पूज्य महाराज जी को किसी व्यवस्था द्वारा हाईजैक कर लिया गया है। इस प्रकार की सतही तुलना और बिना किसी पुख्ता अदालती या पुलिसिया निष्कर्ष के देश के करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र संत प्रेमानंद महाराज को इस विवाद के घेरे में घसीटने के प्रयास ने संत समाज और उनके भक्तों को पूरी तरह झकझोर दिया।

इस अनुचित तुलना और संत की गरिमा पर उठाए गए सवालों के बाद वृंदावन से लेकर पूरे देश में व्यापक आक्रोश फैल गया, जहां लोगों ने भारी नाराजगी जताते हुए शुभांकर मिश्रा के पुतले तक फूंके। यद्यपि बाद में विवाद के गहराने पर उन्होंने सफाई देते हुए महाराज जी को पूजनीय और सम्माननीय बताया, लेकिन तब तक टीआरपी और व्यूज बटोरने के चक्कर में एक गंभीर और संवेदनशील आध्यात्मिक छवि पर कीचड़ उछालने का काम पूरा हो चुका था। यह पूरी घटना दर्शाती है कि कैसे स्वतंत्र डिजिटल पत्रकारिता और यूट्यूबरों का एक बड़ा धड़ा केवल हेडलाइन हंटिंग और सनसनी के लिए तथ्यों की मर्यादा को भूल जाता है। इसी तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक महिला की डीपफेक और मॉर्फ्ड (छेड़छाड़ की गई) तस्वीरों का प्रकरण भी डिजिटल युग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के दुरुपयोग और सोशल मीडिया पर फैलती अराजकता का एक बेहद गंभीर और डरावना उदाहरण था, जिसके खिलाफ कोर्ट में मामला चल रहा है।इस प्रकार की बेलगाम और आक्रामक डिजिटल गतिविधियों की वजह से न केवल समाज शर्मसार होता है, बल्कि कई बार निर्दोष लोगों और सम्मानित परिवारों का पूरा जीवन तबाह हो जाता है। क्योंकि समाज बिना सोचे–समझे उस वायरल झूठ को ही परम सत्य मान लेता है, जिससे पीड़ित व्यक्ति मानसिक अवसाद, सामाजिक बहिष्कार और गहरी ग्लानि के चक्रव्यूह में फंस जाता है। डिजिटल मंचों पर होने वाली इस तरह की पब्लिक लिंचिंग और कंगारू कोर्ट की व्यवस्था के कारण सभ्य समाज की गरिमा तार–तार हो रही है।

सवाल यह उठता है कि समाज और देश के लिए इतना बड़ा खतरा बन चुके इन विवादित यूट्यूबरों पर समय रहते कड़ी और त्वरित कार्रवाई क्यों नहीं हो पाती है? इसके पीछे भारतीय डिजिटल कानूनों की जटिलता और मौजूदा नियामक तंत्र की कमियां सबसे बड़ी वजह हैं।

यूपी में प्रियंका की भूमिका को लेकर उठते सवाल

–स्वदेश कुमार–

उत्तर प्रदेश की सियासी पिच पर साल 2027 के विधानसभा चुनावों को लेकर भले ही बाहर से श्इंडियाश गठबंधन के अटूट होने का ढिंढोरा पीटा जा रहा हो, लेकिन परदे के पीछे जो कुछ पक रहा है, वह किसी पॉलिटिकल थ्रिलर से कम नहीं है। सतह पर मुकाबला सत्ताधारी बीजेपी से होना चाहिए, पर कांग्रेस के तेवर देखकर ऐसा लग रहा है मानो उनका असली निशाना भारतीय जनता पार्टी नहीं, बल्कि समाजवादी पार्टी और उसके मुखिया अखिलेश यादव हैं। दिल्ली के पावर गलियारों से लेकर लखनऊ के दफ्तरों तक, कांग्रेस जिस आक्रामक और जिद भरी शैली में जमीन मांग रही है, उसने राजनीतिक पंडितों को भी हैरान कर दिया है। सवाल यह उठ रहा है कि क्या प्रियंका गांधी वाड्रा 2027 के इस बड़े दंगल में बीजेपी को शिकस्त देने के बजाय समाजवादी पार्टी की सियासी जमीन पर कब्जा करने की कोई सुनियोजित स्क्रिप्ट लिख रही हैं? इस पूरी पटकथा की टाइमिंग और चेहरों को गौर से देखा जाए तो कई राज से पर्दा उठता है। संसद भवन में राहुल गांधी और अखिलेश यादव की मुलाकात के बाद से ही यह साफ हो गया था कि उत्तर प्रदेश से जुड़े तमाम राजनीतिक और सांगठनिक फैसलों की धुरी पूरी तरह प्रियंका गांधी के हाथों में है। इस महत्वपूर्ण बैठक के तुरंत बाद जमीन पर जो बड़े फेरबदल हुए, वे किसी सामान्य प्रशासनिक बदलाव का हिस्सा नहीं बल्कि एक बड़े सियासी गेम प्लान का हिस्सा थे। कांग्रेस ने अपने आक्रामक तेवरों को धार देने के लिए ऐसे चेहरों को आगे करना शुरू कर दिया जो सीधे तौर पर सपा को असहज करने के लिए जाने जाते हैं। आम आदमी पार्टी का दामन छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया गया, तो वहीं तेज–तर्रार और हमेशा मुखर रहने वाले सहारनपुर के सांसद इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दी गई। इसके साथ ही, सौम्य छवि वाली आराधना मिश्रा श्मोनाश को प्रदेश अध्यक्ष की कमान देकर इस नई तिकड़ी को मैदान में उतारा गया। कांग्रेस ने इसके जरिए सवर्ण, दलित और मुस्लिम समीकरण साधने की कागजी कोशिश तो जरूर की, लेकिन इनके बयानों ने गठबंधन के भीतर भूचाल ला दिया है।

लखनऊ की धरती पर कदम रखते ही नवनियुक्त प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने यह कहकर सनसनी फैला दी कि कांग्रेस कोई छोटी–मोटी पार्टी नहीं है और वह आगामी विधानसभा चुनाव में आधे से कम सीटों पर किसी भी कीमत पर समझौता नहीं करेगी। उनके इस बयान के बाद इमरान मसूद ने तो जैसे मोर्चा ही खोल दिया। वह हर रोज मीडिया के तीखे कैमरों के सामने अखिलेश यादव की रणनीति, कार्यशैली और सीटों के बंटवारे पर सवाल खड़े करते नजर आते हैं। यहाँ आंकड़ों के आईने में कांग्रेस के इन दावों की हकीकत भी टटोलनी बेहद जरूरी हो जाती है। साल 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों को अगर हम याद करें, तो जब अखिलेश यादव ने बड़े दिल का परिचय देते हुए कांग्रेस को उत्तर प्रदेश में 17 सीटें दी थीं, तब कांग्रेस इनमें से सिर्फ 6 सीटों पर ही जीत का स्वाद चख पाई थी। इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी ने अकेले अपने दम पर 37 सीटों पर शानदार परचम लहराकर राज्य की सबसे बड़ी पार्टी होने का लोहा मनवाया था। लोकसभा चुनाव के इस जमीनी और बेहद कड़वे आंकड़े को पूरी तरह दरकिनार करके यदि कोई दल विधानसभा चुनाव में डेढ़ सौ सीटों की मांग या अत्यधिक दबाव की राजनीति करे, तो इसे सियासी नासमझी कहें या कोई गहरी साजिश? दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस नेताओं की इस लगातार बयानबाजी और खुले हमलों पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव पूरी तरह चुप्पी साधे हुए हैं। वह खुद सीधे तौर पर इन बयानों पर कुछ कहने से बच रहे हैं और अपनी पार्टी के अन्य नेताओं या प्रवक्ताओं के जरिए नपा–तुला पलटवार करवा रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अखिलेश यादव की यह खामोशी उनकी कोई कमजोरी नहीं, बल्कि एक बेहद सोची–समझी और परिपक्व रणनीति है। वह अच्छी तरह भांप चुके हैं कि यदि उन्होंने इस वक्त कोई भी तीखा या आक्रामक पलटवार किया, तो सारा ठीकरा विपक्षी कलह पर फूट जाएगा और बीजेपी को इसका सीधा राजनीतिक फायदा मिल जाएगा। लेकिन इसके बावजूद, सपा के अंदरखाने कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं में इस बात को लेकर जबरदस्त उबाल है कि जिस पार्टी का खुद का जनाधार यूपी में लगातार सिमट चुका है, वह इतनी बड़ी हैसियत की मांग किस बिना पर कर रही है।

कांग्रेस की यह जिद और अकेले दम पर अपनी शर्तों पर राजनीति करने की आदत कोई नई नहीं है। इसके इतिहास के पन्नों को पलटेंगे तो ऐसी कई मिसालें मिलेंगी जहाँ कांग्रेस ने अपने ही सहयोगियों की लुटिया डुबोई है और गठबंधन धर्म को तार–तार किया है। साल 2017 के यूपी विधानसभा चुनाव के इतिहास को ही देख लीजिए, तब समाजवादी पार्टी ने कांग्रेस को सम्मानजनक रूप से 105 सीटें दी थीं, लेकिन कांग्रेस ने जिद पकड़कर 114 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर दिए, जिसका नतीजा यह हुआ कि गठबंधन का पूरा चुनावी माहौल खराब हो गया और अंततः बीजेपी ने प्रचंड बहुमत की सरकार बना ली। यही नहीं, साल 2022 के विधानसभा चुनावों में जब प्रियंका गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने अपनी ताकत दिखाने के लिए सभी 403 सीटों पर अकेले ताल ठोकी थी, तब पार्टी का ऐसा सूपड़ा साफ हुआ कि रायबरेली और अमेठी जैसी पारिवारिक वीआईपी सीटों पर भी जमानतें खतरे में पड़ गईं और कुल वोट शेयर सिमटकर महज 2.34 प्रतिशत पर आ गया। इतने बड़े धक्के के बाद भी यदि कांग्रेस का केंद्रीय नेतृत्व क्षेत्रीय दलों के साथ टकराव का रास्ता अपनाता है, तो यह उसकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही उजागर करता है। कांग्रेस की इस प्रवृत्ति का असर केवल उत्तर प्रदेश तक ही सीमित नहीं रहा है, बल्कि देश के दूसरे राज्यों में भी श्इंडियाश गठबंधन के भीतर इसकी कई बानगी देखने को मिल चुकी है।

174 जिंदगियां बचाने वाले कैप्टन स्मित

–संजीव ठाकुर–

कैप्टन स्मित ने प्रधानमंत्री से चर्चा करते हुए बताया कि उन्हें हनुमान चालीसा से बहुत आत्म बल प्राप्त हुआ और इसी हनुमान चालीसा को याद करते हुए उन्होंने 174 यात्रियों की जीवन रक्षा की कोशिश की, बहादुरी का अर्थ केवल शत्रु से लड़ना नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना आदर्श बताया। मृत्यु सामने खड़ी हो, जब अपने प्राण संकट में हों और सामने सैकड़ों निर्दोष लोगों का जीवन दाँव पर लगा हो, तब अपने भय को पराजित करके दूसरों की रक्षा के लिए आगे बढ़ना ही वास्तविक वीरता है।

स्मित मच्छार की बहादुरी हमें भारत की उस गौरवशाली परंपरा की याद दिलाती है जिसमें वीरता का अर्थ केवल युद्ध में शत्रु को परास्त करना नहीं, बल्कि संकट में निर्दोषों की रक्षा करना है। नीरजा भनोट ने विमान में यात्रियों की जान बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। स्मित मच्छार की परिस्थिति अलग थी, लेकिन दोनों के साहस का मूल भाव एक है अपने से पहले दूसरों के जीवन की सुरक्षा।

भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार ने आकाश में घटित जिस भयावह घटना के बीच अदम्य साहस और असाधारण सूझ–बूझ का परिचय दिया, वह भारतीय साहस की परंपरा को गौरवान्वित करने वाली घटना है। 30 सितंबर 2026 को फ्लाईदुबई की उड़ान थ्1073 दुबई से तेल अवीव के लिए रवाना हुई थी। विमान में 174 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। उड़ान के दौरान कॉकपिट में सह–पायलट ने कैप्टन स्मित मच्छार पर अचानक हमला कर दिया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार हमलावर ने क्रैश–ऐक्स से उन पर वार किया। इस हमले में कैप्टन गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थिति इतनी भयावह थी कि विमान कुछ ही क्षणों में हजारों फीट नीचे चला गया। बाद की जाँच में संयुक्त अरब अमीरात के अधिकारियों ने इस घटना को आतंकवादी कृत्य के रूप में वर्गीकृत किया है।

लेकिन असली कहानी उस हमले से शुरू नहीं होती, बल्कि उस क्षण से शुरू होती है जब गंभीर रूप से घायल कैप्टन स्मित मच्छार के सामने दो विकल्प थे या तो वे अपने जीवन को बचाने के लिए संघर्ष करें अथवा विमान में बैठे सैकड़ों लोगों की जिंदगी को बचाने का जोखिम उठाएँ। उन्होंने दूसरा रास्ता चुना। गंभीर चोटों के बावजूद उन्होंने कॉकपिट का दरवाजा खोलने का निर्णय लिया। यही निर्णय निर्णायक साबित हुआ। यात्रियों और चालक दल के लोगों को भीतर आने का अवसर मिला और हमलावर को काबू किया जा सका। विमान को बाद में सऊदी अरब के तबूक हवाई अड्डे पर आपातकालीन रूप से उतारा गया। विमान में सवार सभी 174 यात्रियों की जान बच गई।

कल्पना कीजिए उस परिस्थिति की। हजारों फीट की ऊँचाई पर उड़ता हुआ विमान, कॉकपिट के भीतर हिंसक हमला, स्वयं कप्तान गंभीर रूप से घायल और दूसरी ओर 174 लोगों की जिंदगी। सामान्य परिस्थितियों में मनुष्य का शरीर ही नहीं, उसका मन भी भय से काँप सकता है। लेकिन स्मित मच्छार ने उस क्षण अपने दर्द और भय को अपने कर्तव्य के आगे छोटा कर दिया।

उनके शब्द इस साहस को और अधिक मानवीय बना देते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अस्पताल में बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि घायल अवस्था में उन्होंने स्वयं से कहा कि यही अंतिम प्रयास है दरवाजा सामने है, उसे खोलना होगा। यह वाक्य केवल एक पायलट की प्रतिक्रिया नहीं है यह उस मानसिक शक्ति का परिचय है जो असाधारण संकट में असाधारण निर्णय लेने की क्षमता देती है। स्मित मच्छार की घटना इस विचार को जीवंत करती है। उन्हें भय अवश्य रहा होगा, शरीर ने दर्द भी महसूस किया होगा, मृत्यु का खतरा भी सामने रहा होगा लेकिन उन्होंने भय को अपने निर्णय पर हावी नहीं होने दिया। यही वास्तविक साहस है। उनकी बहादुरी का दूसरा महत्वपूर्ण पक्ष है कर्तव्यबोध। विमान का कप्तान केवल विमान उड़ाने वाला व्यक्ति नहीं होता। उसके हाथों में यात्रियों का विश्वास होता है। सैकड़ों परिवार अपने प्रियजनों को उसकी जिम्मेदारी पर सौंपते हैं। स्मित मच्छार ने उस विश्वास को संकट की सबसे कठिन घड़ी में निभाया।इस घटना में एक और मानवीय पक्ष सामने आता है। विमान में मौजूद एक दंत चिकित्सक ने गंभीर रूप से घायल कैप्टन की मदद की। उन्होंने उनके घावों पर कपड़े से दबाव बनाया और उन्हें होश में बनाए रखने की कोशिश की। यात्रियों और अन्य पायलटों ने भी संकट की घड़ी में सहयोग किया। इस प्रकार यह केवल एक व्यक्ति की बहादुरी की कहानी नहीं, बल्कि संकट के समय मनुष्य की सामूहिक मानवीय शक्ति की कहानी भी बन गई।

फिर भी इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में स्मित मच्छार ही दिखाई देते हैं, क्योंकि निर्णायक क्षण में पहला जोखिम उन्होंने उठाया। उन्होंने दरवाजा खोला और दूसरों को सहायता का अवसर दिया। यदि वह निर्णय कुछ क्षण भी देर से होता तो परिणाम कितना भयावह हो सकता था, इसकी कल्पना मात्र से रोंगटे खड़े हो जाते हैं।

स्मित मच्छार की बहादुरी हमें भारत की उस गौरवशाली परंपरा की याद दिलाती है जिसमें वीरता का अर्थ केवल युद्ध में शत्रु को परास्त करना नहीं, बल्कि संकट में निर्दोषों की रक्षा करना है। नीरजा भनोट ने विमान में यात्रियों की जान बचाने के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। स्मित मच्छार की परिस्थिति अलग थी, लेकिन दोनों के साहस का मूल भाव एक हैकृअपने से पहले दूसरे का जीवन।

आज जब संसार तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक सुविधाओं की चर्चा कर रहा है, तब यह घटना हमें याद दिलाती है कि किसी भी तकनीक की अंतिम सुरक्षा मनुष्य के विवेक, प्रशिक्षण और चरित्र पर निर्भर करती है। विमान अत्याधुनिक हो सकता है, उसमें असंख्य सुरक्षा प्रणालियाँ हो सकती हैं, लेकिन संकट की अंतिम घड़ी में निर्णय मनुष्य ही लेता है। स्मित मच्छार ने उस परीक्षा में अपने साहस और प्रशिक्षण की असाधारण मिसाल प्रस्तुत की।

उनकी बहादुरी की प्रशंसा भारत ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी हुई है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर ट्रक में जा घुसी कार, क्रिकेट खेल घर लौट रहे चार खिलाड़ियों की मौत

संवाददाता–देवरिया। क्रिकेट की पिच पर बड़ा मुकाम हासिल करने और देश के लिए खेलने का सपना संजोए तीन होनहार खिलाड़ी बुधवार की भोर जिंदगी की पारी हार गए। लार के कोहरा गांव निवासी आनंद यादव और चुरिया गांव निवासी अनिकेत सिंह तथा मईल निवासी नित्य प्रजापति लखनऊ में टूर्नामेंट खेलकर लौट रहे थे। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण हादसे ने तीनों के परिवारों से उनके सपनों का सहारा छीन लिया। इस हादसे में तीन खिलाड़ी घायल हैं। इनमें नेटुआबीर गांव के रहने वाले राजू यादव भी शामिल हैं। कोहरा गांव निवासी आनंद यादव क्रिकेट के प्रति जुनूनी थे। वह देवरिया की जिला स्तरीय टीम से खेलते थे और लगातार बेहतर प्रदर्शन कर आगे बढ़ने की कोशिश में जुटे थे। छोटे भाई अखिलेश के अनुसार, आनंद लखनऊ के एनई रेलवे मैदान में डीकेजी ग्रुप की ओर से आयोजित टूर्नामेंट में खेलने गए थे। इसके अलावा वह गैर जनपदों में भी क्रिकेट मैच खेलने जाते थे।

आनंद तीन भाइयों और दो बहनों में दूसरे नंबर पर थे। पिता का पहले ही निधन हो चुका है। बड़ा भाई चंद्रशेखर सऊदी अरब में रहता है, जबकि छोटा भाई अखिलेश गांव पर रहता है। बहनें जूली और आंचल की शादी हो चुकी है। घर पर मां बादामी देवी हैं। बेटे की मौत की खबर से अनजान मां के घर पर हादसे के बाद से सन्नाटा पसरा है। छोटा भाई अखिलेश ग्रामीणों के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हो गया है। चुरिया गांव निवासी अनिकेत सिंह ने भी क्रिकेट को ही अपना सपना बनाया था। करीब पांच वर्ष तक फतेहपुर एकेडमी में रहकर उन्होंने क्रिकेट का प्रशिक्षण लिया। इसके बाद गांव लौटे और खेल को जारी रखा। वह दूर–दराज के जिलों में होने वाले मैचों में हिस्सा लेते थे और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भी प्रतिभाग कर चुके थे।

अनिकेत दो भाइयों और दो बहनों में सबसे बड़े थे। पिता अमरजीत सिंह शराब की दुकान पर मुंशी का काम करते हैं। मां रंभा देवी बीमार हैं और देवरिया में उनका उपचार चल रहा है। छोटा भाई अंकित अपने चाचा के साथ देवरिया शहर में रहकर पढ़ाई करता है। हादसे के समय घर पर कोई मौजूद नहीं था।

लखनऊ से टूर्नामेंट खेलकर देवरिया लौट रहे खिलाड़ियों की कार बुधवार भोर सुलतानपुर के बल्दीराय क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर ट्रक में पीछे से घुस गई। हादसे में नित्या प्रजापति, अनिकेत सिंह और आनंद यादव की मौत हो गई, हादसे की खबर गांवों तक पहुंचते ही ग्रामीण मृतकों के घर पहुंचने लगे। अनिकेत के पिता घटनास्थल के लिए रवाना हो चुके हैं और आजमगढ़ से आगे पहुंच गए थे। आनंद के परिवार में भी पुरुष सदस्य घटनास्थल की ओर निकल गए। दोनों परिवारों की महिलाओं को उनकी स्थिति और स्वास्थ्य को देखते हुए अभी हादसे की मनहूस खबर नहीं दी गई है। गांवों में हर कोई अपनों को संभालने और परिवार को इस कठिन घड़ी में सहारा देने में जुटा है।

ठेला गाड़ी व बाइक की टक्कर में युवक की मौत

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के ग्राम सभा शीतलापुर भट्ठी टोला के पास बुधवार दोपहर में बाइक मेड ठेला गाड़ी और बाइक में आमने–सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई और ठेला चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। दोनों को एम्बुलेंस से निचलौल सीएचसी पहुंचाया गया।

निचलौल थाना क्षेत्र के ग्राम गिरहिया निवासी राजन चौधरी (21) पुत्र सुभाष चौधरी बहुआर बाजार की तरफ से घर वापस आ रहा था। इस दौरान शीतलापुर भट्ठी टोला के पास बालू लादकर जा रहे ठेला गाड़ी से आमने–सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार राजन और ठेला चालक जयप्रकाश निवासी ग्राम बैठवलिया दोनों गंभीर रूप से घायल हो गया। इसकी सूचना पर पहुंची बहुआर पुलिस ने एम्बुलेंस बुलाकर दोनों घायलों को निचलौल सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने युवक राजन को मृत घोषित कर दिया। ठेला चालक को इलाज के बाद हालत गंभीर देखते जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। एसओ योगेंद्र कुमार राय ने बताया कि बाइक सवार युवक की मौत हो गई है। शव को कब्जे में लेकर पुलिस जरूरी कार्रवाई कर रही है। ठेला गाड़ी और बाइक को कब्जे में लेकर घटना की जांच–पड़ताल की जा रही है। तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की गिरहिया निवासी राजन चौधरी दो भाइयों में छोटा था। उससे छोटी एक बहन भी है। उसकी अभी शादी नहीं हुई थी। वह परिवार के भरण–पोषण के लिए बाहर रहकर मजदूरी करता था। उसका बड़ा भाई आकाश घर पर रहकर पिता के साथ खेती का कार्य करता है। उसकी मौत की सूचना पर सीएचसी पहुंचे परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया था।

रेस्टोरेंट का प्रचार बोर्ड बाइक पर गिरा, महिला की मौत

संवाददाता–महराजगंज। गोरखपुर–परतावल मार्ग पर बुधवार को तेज हवा के दौरान एक रेस्टोरेंट का प्रचार बोर्ड बाइक सवार मां–बेटे के ऊपर गिर गया। हादसे में बाइक पर पीछे बैठी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। परतावल सीएचसी ले जाने के दौरान उसकी मौत हो गई।श्यामदेउरवा थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर जरलहिया निवासी सुभावती (56) पत्नी विद्यासागर बुधवार सुबह अपने बेटे दुर्विजय के साथ इलाज कराने गोरखपुर मेडिकल कॉलेज गई थी। इलाज कराने के बाद दोनों बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान मौसम खराब होने के साथ तेज हवा चल रही थी। गोरखपुर–परतावल मार्ग पर इस रेस्टोरेंट के सामने सड़क के बीच वाले हिस्से में प्रचार के लिए लगाया गया बोर्ड अचानक बाइक के ऊपर गिर गया। इससे सुभावती बाइक से सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गईं।सूचना पर पहुंचे लोगों की मदद से महिला को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परतावल पहुंचाया गया। इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक डॉ. फुरकान ने जांच के बाद बताया कि महिला की सीएचसी पहुंचने से पहले ही मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। महिला के साथ बाइक चला रहे लड़के को चोंट नहीं लगी है।इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष महेन्द्र मिश्रा का कहना है कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

एसपी ने दारोगा–इंस्पेक्टरों का लिया एग्जाम, पास होने पर 6 को मिली थानेदारी, 4 बने चौकी इंचार्ज

संवाददाता–कुशीनगर। जिले में पहली बार परीक्षा लेकर कुछ ऐसे दारोगा और इंसपेक्टरों को चौकी और थाने की जिम्मेदारी दी गई, जिन्हें लगता था कि नौकरी में वे बेदाग हैं। थानेदार या चौकी इंचार्ज बनने के काबिल हैं लेकिन उनकी क्षमता का उचित उपयोग नहीं हो पाया है। एसपी ने खुद पहल कर ऐसे पुलिसकर्मियों से आवेदन मांगे। कुल 25 आवेदन आए। स्क्रीनिंग के बाद उनकी लिखित परीक्षा ली गई और साक्षात्कार हुआ। योग्य मिलने पर इनमें से छह को थानेदार और चार को चौकी इंचार्ज बनाया गया है। पिछले दिनों एसपी ने मातहतों से यह बात साझा की कि जिले में तैनात दारोगा और इंस्पेक्टरों की संख्या अधिक है मगर कुछ ही को थानेदार या चौकी इंचार्ज की जिम्मेदारी मिल पाती है। एसपी ने जिले में तैनात सभी ऐसे दारोगा और इंस्पेक्टरों से कहा कि यदि उन्हें लगता है कि उनकी क्षमता चौकी या थाने का प्रभारी बनने लायक है मगर उन्हें अब तक यह मौका नहीं मिला तो वे इसके लिए लिखित आवेदन करें। अपना बायोडाटा और उपलब्धियां भी संलग्न करें। एसपी ने ऐसे आवेदनों की स्क्रीनिंग की। लिखित परीक्षा और साक्षात्कार लिया गया। उसमें ऐसे ही सवाल पूछे गए, जो चौकी इंचार्ज और थानेदार के रूटीन तथा आपातकालीन कार्यों से संबंधित थे। इसमें जो भी सफल हुए, उन सभी को थाने और चौकियों की जम्मेदारी दी गई है।

एसपी ने बताया कि कई आवेदन आए थे। इनमें एकमात्र महिला दारोगा शामिल थीं। साक्षात्कार में भी वह सफल रहीं लेकिन जिस जिले से वह स्थानांरित होकर कुशीनगर आई हैं। वहां से उनकी पत्रावली अभी तक पहुंची ही नहीं है। थाने और चौकी का प्रभार देने में पत्रावलियों का भी अहम योगदान होता है। अन्य जिले के लिपिक की लापरवाही भी इसी बहाने सामने आ गई। संबंधित जिले को इस संबंध में पत्र लिखा गया है। कोशिश की जा रही है कि ताबदला होने के साथ ही संबंधित पुलिसकर्मी की पत्रावली भी उनकी नई तैनाती वाले जिले के पुलिस कार्यालय को प्राप्त करा दी जाए। परीक्षा पास करने के बाद अमित सिंह, महेश चौबे, अरुण सिंह, महेंद्र,धर्मेंद्र सिंह और स्वतंत्र सिंह को थानेदारी मिली। जबकि ब्रह्म उपाध्याय, राम प्रवेश सिंह, अनुराग यादव और शिवम् द्विवेदी चौकी इंचार्ज बनें।

इस मामले में एसपी केशव कुमार ने बताया कि जिन्हें लगता है कि उनकी क्षमता होने के बाद भी उन्हें थाने या चौकियों का प्रभार नहीं मिल पाया है, ऐसे दारोगा–इंस्पेक्टरों से खास तौर पर आवेदन मांगे गए थे। इसके पीछे वजह पारदर्शिता व पुलिस परिवार के किसी कर्मी के मन में भेदभाव या अन्य शंकाओं को दूर करने का प्रयास है। कुछ को पहली बार तैनाती दी गई है। इस क्रम को आगे भी जारी रखने का प्रयास किया जाएगा।

पूर्व विधायक बोले– राम जरूरी हैं, लेकिन रोटी भी चाहिए

संवाददाता–बलरामपुर। बुधवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कार्यकर्ता सड़क पर उतरे।

प्रदेश महासचिव एवं पूर्व विधायक धीरेंद्र प्रताप सिंह 'धीरू' के नेतृत्व में दोपहर 12 बजे अंबेडकर प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इसके बाद 'वोट बचाओ, देश बचाओ' मार्च निकाला गया। कांग्रेस कार्यकर्ता मार्च निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। यहां जिलाधिकारी कार्यालय के सामने धरना दिया गया। धरना दोपहर 2 बजे समाप्त हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। धरने को संबोधित करते हुए धीरेंद्र प्रताप सिंह ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जनता अब परिस्थितियों को समझ चुकी है। उनके मुताबिक 2027 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस इन्हीं मुद्दों को लेकर जनता के बीच जाएगी।

कांग्रेस नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की आत्मा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के गरीब, मजदूर, किसान और महिलाएं मौजूदा परिस्थितियों को महसूस कर रहे हैं। उन्होंने धार्मिक मुद्दों के नाम पर लोगों को गुमराह किए जाने का आरोप लगाया। धीरू ने कहा, "हमें राम जरूरी हैं, लेकिन रोटी भी जरूरी है।"

धीरू ने भाजपा पर धार्मिक राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राम न्याय, सत्य और मर्यादा के प्रतीक हैं। सवाल यह है कि सरकार इन मूल्यों को अपने आचरण में उतार रही है या नहीं। उन्होंने पहलवानों के आंदोलन का भी जिक्र किया और सरकार पर महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। अपने संबोधन में धीरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा, "यह राम वाले नहीं, आसाराम वाले हैं।" उन्होंने भाजपा सरकार को "राम–रहीम की सरकार" बताते हुए उसे हटाने का आह्वान किया। ये सभी आरोप और राजनीतिक टिप्पणियां कांग्रेस नेता के संबोधन का हिस्सा थीं। कांग्रेस नेता ने कहा कि अंबेडकर प्रतिमा पर श्रद्धांजलि के बाद कार्यकर्ताओं ने पूरे शहर में मार्च निकाला। उन्होंने कहा कि 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के तहत आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपाइयों ने निकाली सेवा ज्योति यात्रा, स्थापित किए गए सेवा ज्योति कलश

संवाददाता–महराजगंज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भाजपा की ओर से चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित नवीन मंडी परिसर से विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय उर्फ संजय पांडेय के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल हुए। नारेबाजी के बीच भाजपाइयों ने सेवा ज्योति यात्रा निकाली और सक्सेना चौक पर सभी विधानसभाओं से लाए गए सेवा ज्योति कलश स्थापित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का लाइव प्रसारण हुआ। प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद जिला प्रभारी नरेंद्र मणि त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष संजय पांडेय, पनियरा विधायक ज्ञानेंद्र सिंह, सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष कृष्ण गोपाल जायसवाल, पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, पूर्व विधायक एवं उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव यूनियन के चेयरमैन चौधरी शिवेंद्र सिंह तथा पूर्व जिलाध्यक्ष समीर त्रिपाठी के नेतृत्व में सेवा ज्योति यात्रा मंडी परिसर से रवाना हुई। यात्रा के दौरान नरेंद्र मोदी–योगी आदित्यनाथ जिंदाबाद, वंदे मातरम्, भारत माता की जय, नितिन नवीन–पंकज चौधरी जिंदाबाद के गगनभेदी नारों से पूरा नगर गुंजायमान रहा। यात्रा नगर के सक्सेना चौक पर पहुंची, जहां पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने कलश पर पुष्प अर्पित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घायु जीवन तथा उनके नेतृत्व में भारत को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने की कामना की।

जिला प्रभारी नरेंद्र मणि त्रिपाठी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। आज देश आर्थिक मजबूती के साथ विज्ञान, तकनीक, आधारभूत ढांचे और सामाजिक विकास के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विधायक ज्ञानेन्द्र सिंह ने कहा कि पीएम ने सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के साथ विकास की गति को नई दिशा दी है। सदर विधायक जयमंगल कन्नौजिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब, किसान, युवा और महिलाओं को विकास की मुख्यधारा से जोड़कर भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है। पूर्व विधायक बजरंग बहादुर सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 25 वर्षों का नेतृत्व राष्ट्रसेवा और राष्ट्र निर्माण की अद्भुत यात्रा है। जिलाध्यक्ष अशोक पांडेय उर्फ संजय पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन से भाजपा कार्यकर्ताओं को राष्ट्रसेवा की निरंतर प्रेरणा मिलती है।

यात्रा में प्रमुख प्रतिनिधि इंजी. विवेक गुप्ता, ओम प्रकाश जायसवाल, राम हरख गुप्ता, प्रमुख वेद शुक्ला, प्रमुख आनंद शंकर वर्मा, चेयरमैन राजेश जायसवाल, संतोष जायसवाल, गिरजेश जायसवाल, उमेश जायसवाल, राकेश जायसवाल, सतीश मधेशिया, चेयरमैन प्रतिनिधि अजय मधेशिया, पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश मंत्री, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री नरेंद्र खरवार, किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री विवेका पांडेय, जिला उपाध्यक्ष अजय श्रीवास्तव, डॉ. फरीदा ईरम, प्रदीप उपाध्याय,शैलेश पांडेय, जिला महामंत्री प्रभाकर द्विवेदी, मधुर सिंह, बबलू यादव, जिला मंत्री बैजनाथ पटेल, ठाकुर रौनियार, दिनेश जायसवाल, जिला कोषाध्यक्ष आकाश गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी संजीव शुक्ला, वरिष्ठ नेता लाल चंद्र चौधरी, प्रेम प्रकाश सिंह उर्फ बबलू सिंह, राजेंद्र पटेल, वंदना तिवारी, प्रज्ञा मिश्रा, ऋतु गुप्ता, अर्चना देवी, आशा देवी सहित मंडल अध्यक्ष और बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दिन में ही अंधेरा, आंधी के बाद झमाझम बारिश से बदला मौसम का मिजाज

संवाददाता–बलरामपुर। राजधानी लखनऊ का बड़ा इलाका बाढ़ की चपेट में हैं। इस बीच पड़ोसी जिले बलरामपुर का मौसम बुधवार की दोपहर अचानक बदल गया। दिन में ही अंधेरा छा गया।आसमान में घने बादल छा गए और बिजली की तेज कड़कड़ाहट के साथ आंधी के बाद झमाझम बारिश शुरू हो गई। अचानक हुई बारिश से सड़कों और बाजारों में लोगों की आवाजाही प्रभावित हो गई। जो जहां था, वहीं भी ठिठक गया। वहीं खेतों में खड़ी धान की फसल को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है। मौसम विभाग ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में गरज–चमक, वज्रपात और तेज हवाओं के साथ बारिश की चेतावनी जारी की है। बलरामपुर समेत आसपास के जिलों में भी मौसम खराब रहने की संभावना जताई गई है।

बारिश शुरू होते ही लोग बचने के लिए सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए। दोपहर के समय अचानक अंधेरा छाने और बिजली चमकने से भी लोगों में दहशत का माहौल भी बन गया। कई जगह सड़क पर पानी भरने से राहगीरों को परेशानी हुई। मौसम के अचानक करवट लेने से बाजारों में भी चहल–पहल प्रभावित हुई। इस समय खेतों में धान की फसल खड़ी है। कई किसानों की फसल पकने की स्थिति में पहुंच चुकी है। ऐसे में तेज हवा और बारिश के साथ यदि ओलावृष्टि होती है तो फसल के गिरने और दाने को नुकसान पहुंचने की आशंका है। कृषि मौसम की सलाह में भी तेज आंधी, भारी बारिश और ओलावृष्टि को खड़ी फसलों के लिए नुकसानदेह माना जाता है।

किसानों का कहना है कि बारिश कुछ समय तक सामान्य रहती है तो खास नुकसान की स्थिति नहीं होगी, लेकिन तेज हवा के साथ लगातार बारिश या ओले पड़े तो खेतों में खड़ी धान की फसल प्रभावित हो सकती है। खासकर जिन खेतों में फसल पककर तैयार होने वाली है, वहां नुकसान की आशंका अधिक है। मौसम विभाग के अलर्ट के अनुसार अगले कुछ घंटों में गरज–चमक के साथ तेज हवाएं और बारिश हो सकती है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में बुधवार और गुरुवार को भी आंधी–तूफान व बिजली गिरने जैसी मौसमी गतिविधियों की चेतावनी है।

अचानक बदले मौसम ने किसानों को खेतों पर नजर रखने को मजबूर कर दिया है। बारिश और हवा का दौर लंबा खिंचने पर धान समेत अन्य फसलों पर इसका असर पड़ सकता है। हालांकि वास्तविक फसल क्षति का आकलन बारिश और हवा का दौर थमने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

सेवा ज्योति यात्रा का आयोजन, विकसित भारत का दिया संदेश

संवाददाता–बहराइच। महाराज सिंह इंटर कॉलेज में बुधवार सुबह 11 बजे सेवा ज्योति यात्रा और विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और वंदे मातरम् गीत के साथ हुई। करीब दो घंटे चले कार्यक्रम में केंद्र और प्रदेश सरकार की विकास योजनाओं की जानकारी दी गई। लोगों से विकसित भारत के संकल्प से जुड़ने और इसमें सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया गया।

पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जनपद प्रभारी लखनऊ त्रियंबक त्रिपाठी, सांसद डॉ. आनंद कुमार गोंड, जिला पंचायत अध्यक्ष मंजू सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश पाण्डेय, विधायक सुभाष त्रिपाठी, सुरेश्वर सिंह, अनुपमा जायसवाल, सरोज सोनकर और राम निवास वर्मा समेत जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों ने सेवा ज्योति यात्रा का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान सरकार की विभिन्न विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाई गई। वक्ताओं ने विकसित भारत के निर्माण में आमजन की भागीदारी को लेकर संदेश दिया।

कार्यक्रम स्थल पर विद्यार्थियों की ओर से बनाई गई रंगोली भी देखी गई। इसके बाद राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम के बाद सेवा ज्योति यात्रा के रथ पर कलश रखकर नगर में भ्रमण कराया गया।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता, मुख्य राजस्व अधिकारी सौरभ दुबे, सिटी मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद, जिला विकास अधिकारी राज कुमार और पीडी डीआरडीए मनीष कुमार समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

सपा कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका

संवाददाता–बहराइच। समाजवादी पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग पर प्रदर्शन किया। बुधवार दोपहर करीब एक बजे सपा के फ्रंटल संगठनों के कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट स्थित धरना स्थल पर उनका पुतला फूंका और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग की।

समाजवादी लोहिया वाहिनी, समाजवादी आंबेडकर वाहिनी और मुलायम यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ता धरना स्थल पर जमा हुए। मुलायम यूथ ब्रिगेड के मयंक मिश्रा, लोहिया वाहिनी के नंदेश्वर यादव और आंबेडकर वाहिनी के अध्यक्ष पेशकार राव के नेतृत्व में ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी हुई और पुतला जलाया गया।

पुतला फूंकते समय पुलिसकर्मियों ने उसे छीनने का प्रयास किया, जिससे पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच थोड़ी खींचतान हुई। कार्यकर्ताओं ने अपना विरोध जारी रखा। प्रदर्शन के बाद सपा कार्यकर्ताओं ने नगर मजिस्ट्रेट राजेश प्रसाद को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इसमें मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने और चुनाव व्यवस्था में पारदर्शिता व निष्पक्षता की मांग की गई।

स्काउट प्रशिक्षण में 200 विद्यार्थियों ने सीखे सेवा और आपदा प्रबंधन के गुर

संवाददाता–महराजगंज। दिग्विजयनाथ इंटरमीडिएट कॉलेज चौक बाजार में तीन दिवसीय प्रथम एवं द्वितीय सोपान स्काउट प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ। शिविर में विद्यालय के करीब 200 छात्र–छात्राएं प्रशिक्षण ले रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वज शिष्टाचार के साथ हुई। इसके बाद प्रधानाचार्य डॉ. हरिन्द्र यादव ने विद्यार्थियों को स्काउट प्रशिक्षण के महत्व की जानकारी दी।स्काउट अधीक्षक डॉ. पंकज कुमार गुप्त ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन, सामाजिक प्रतिबद्धता और देशप्रेम की भावना विकसित करना है। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को सामूहिक कार्य, नेतृत्व और विपरीत परिस्थितियों में निर्णय लेने का अभ्यास कराया जाता है। स्काउट प्रशिक्षक उमेश कुमार ने बताया कि प्रथम और द्वितीय सोपान प्रशिक्षण में ध्वज शिष्टाचार, गांठ बांधना, प्राथमिक उपचार, दिशा ज्ञान, टेंट निर्माण और आपदा प्रबंधन जैसी गतिविधियों का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षक रिया जायसवाल ने बताया कि गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में सहयोग, नेतृत्व, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। शिविर में स्काउट कैडेटों ने शिक्षकों को स्काउट स्कार्फ पहनाकर स्वागत किया।

मगरमच्छों के हमले से नाराजगी, ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। निचलौल थाना क्षेत्र के ग्राम सभा गेड़हवा में मंगलवार को मगरमच्छ के हमले से छांगुर उर्फ छविलाल की मौत हो गई। मगरमच्छों के लगातार हमला से नाराज ग्रामीणों ने बुधवार को गेड़हवा पुल के पास विरोध प्रदर्शन किया।

ग्रामीण चंपा देवी, चंद्रावती, प्रमिला, अनीता देवी, कुसुम, मणिकांत, मनिराज, राजेश, उमेश, बजरंगी, रोहित आदि ने बताया कि मगरमच्छ के हमले से इस गांव के निवासी छांगुर उर्फ छविलाल की जान चली गई। इसे लेकर पूरा गांव गमगीन है। इस घटना से चार मासूमों के सिर से पिता का साया उठ गया। छांगुर मजदूरी करके पत्नी और बच्चों का भरण–पोषण करता था। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि मगरमच्छ प्रजनन केंद्र दर्जिनिया ताल में सैकड़ों की संख्या में मगरमच्छ निवास करते हैं।

बरसात होने पर मगरमच्छ ताल से निकलकर आबादी के करीब पहुंच रहे हैं और ग्रामीणों तथा मवेशियों पर हमला रहे हैं। इसे लेकर आसपास के लोग भयभीत हैं। ग्रामीणों की मांग है कि दर्जिनिया ताल के आसपास तार–बाड़ लगाई जाय, ताकि आसपास गांवों के लोग तथा जानवर सुरक्षित रह सकें।

रेंजर निचलौल सुनील राव ने बताया कि दर्जिनिया ताल की सुरक्षा के लिए वनकर्मियों को लगाया गया है। मगरमच्छों की ताल से बाहर निकलने की समस्या को उच्च अधिकारियों को अवगत कराया गया है। बजट उपलब्ध होने पर ताल के चारों तरफ तार–बाड़ लगाया जाएगा।

अजय राय अयोध्या पहुंचे, किया रामलला का दर्शन

संवाददाता–अयोध्या। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय अपने जन्मदिन के अवसर पर बुधवार को काशी से अयोध्या पहुंचे। उन्होंने रामलला के दर्शन किए और हनुमान गढ़ी जाकर बजरंग बली का दर्शन पूजन कर आशीर्वाद लिया। दर्शन के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटाए जाने के सवाल पर अजय राय ने कहा कि यह कांग्रेस पार्टी का निर्णय है। पार्टी ने उन्हें जो जिम्मेदारी और समय दिया, उसमें उन्होंने पूरी ताकत से काम किया। आगे भी पार्टी नेतृत्व के निर्णय को स्वीकार करते हुए कांग्रेस को मजबूत करने के लिए काम करते रहेंगे। अजय राय ने कहा कि आज बात व्यक्तिगत हित की नहीं, बल्कि देश और राष्ट्र की है। उनका उद्देश्य कांग्रेस को मजबूत करना है। 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस मजबूती से आगे बढ़ रही है और सरकार बनाने का दावा किया। गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि इस संबंध में फैसला कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व करेगा। कार्यकर्ता अपने स्तर पर संगठन को मजबूत करने का काम कर रहे हैं।

अजय राय ने कहा कि जन्मदिन पर रामनगरी आकर भगवान राम के दर्शन करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता जनता की सेवा करना और लगातार लोगों के बीच बने रहना है। अजय राय ने कहा कि भगवान राम की कृपा बनी रहे, जनता की सेवा करता रहूं, पार्टी को मजबूत करूं और आप सबके बीच प्यार–मोहब्बत बांटता रहूं।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–44/203/19
अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी सोनूपार बस्ती जिला–बस्ती

भागीरथी
बनाम
रामउजागिर आदि

1. रामउजागिर पुत्र रामबरन 2. रामचन्दर पुत्र रामबरन 3. जसकरन पुत्र बुधई 4. रामसजीवन पुत्र जसकरन 5. शिव कुमार 6. रामकुमार 7. रामसूरत पुत्रगण रामदीन 8. रामलोचन पुत्र नरायन 9. अशोक कुमार पुत्र रामतेज 10. भगवत पुत्र रामजियावन निवासीगण टीकाजोत तप्पा सिकन्दरपुर परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 09–10–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
अपील सं0–775/2026
अदालत– श्रीमान बन्दोवस्त अधिकारी चकबन्दी बस्ती जिला–बस्ती

प्रेमचन्द्र आदि
बनाम
बुद्धिराम आदि

1. बुद्धिराम पुत्र देवनरायन 2. रामशंकर पुत्र देवनरायन 3. सतिराम पुत्र देवनरायन साकिनान मौजा बेहिल तप्पा बड़ोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 4. श्रीमती पलकरी देवी पत्नी रामकिशन साकिन सेन्दुरिया तप्पा महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 5. बलई पुत्र बीरबल साकिन मौजा बेहिल तप्पा बड़ोपगार परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 27–10–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 27 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 28 माह 09 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

बीजे डिग्री कह्लेज की सीढ़ियों के पास मिला चौकीदार का शव

संवाददाता–गोरखपुर। मोतीराम अड्डा स्थित बीजे डिग्री कालेज के चौकीदार की मंगलवार रात संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। बुधवार सुबह कालेज की सीढ़ियों के पास उनका शव खून से लथपथ मिला। पहचान झंगहा थाना क्षेत्र के विश्वनाथनपुर गांव निवासी 50 वर्षीय बृजकिशोर यादव के रूप में हुई। वह वर्ष 2003 से कालेज में चौकीदार के पद पर कार्यरत थे। यह मामला झंगहा थाना क्षेत्र का है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बृजकिशोर कालेज परिसर में ही खाना बनाकर खाते थे और रात में वहीं रहते थे। बुधवार सुबह स्थानीय लोगों ने उन्हें कालेज की सीढ़ियों के पास जमीन पर पड़ा देखा। उनके शरीर पर खून लगा हुआ था। इसकी जानकारी कालेज प्रबंधन को दी गई। सूचना पर प्रबंधन के लोग मौके पर पहुंचे और झंगहा पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच–पड़ताल की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। उधर, चौकीदार की संदिग्ध परिस्थिति में मौत की जानकारी मिलने के बाद कालेज परिसर और आसपास के क्षेत्र में चर्चा का माहौल है। पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही घटना की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्आलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–391/2023

मानिकराम वर्मा
बनाम
श्रीमती प्रभावती आदि

1/1/1 श्रीमती नीलम उम्र लगभग 33 वर्ष पत्नी महेन्द्र कुमार 1/1/2 शिवांश उम्र लगभग 13 वर्ष नावालिग पुत्र महेन्द्र कुमार निवासीगण ग्राम मझौवाखुर्द तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 15–11–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 15 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्आलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–572/2003

रामजी सिंह
बनाम
राजबहादुर सिंह आदि

1/2/1 श्रीमती संध्या विधवा पत्नी लक्ष्मन सिंह साकिन ग्राम लहरी तप्पा डीही परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 31–10–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 31 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0–3713/2023
T202317140105560
धारा 34 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार गौर बस्ती जिला–बस्ती

गीता देवी
बनाम
राजकुमार

1. गीता देवी पत्नी सियाराम साकिन ककराखुर्द कला तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 20–10–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 20 माह 10 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

– द0 हाकिम

दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण को सरकार प्रतिबद्ध – अजय सिंह

– 29 दिव्यांगजनों में सहायक उपकरण वितरित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को ब्लॉक सभागार हर्रैया में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की ओर से सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि हर्रैया विधायक अजय सिंह ने 29 दिव्यांगजन लाभार्थियों को सहायक उपकरण वितरित किए। इस दौरान विधायक ने विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टालों का अवलोकन कर अधिकारियों और कर्मचारियों से योजनाओं की जानकारी ली। विधायक ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। दिव्यांगजन समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार द्वारा अनेक कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ सहजता और सम्मान के साथ पहुंचे। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव–गांव और जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने में किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। साथ ही योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार कर अधिक से अधिक पात्र लोगों को इससे जोड़ा जाए। विधायक ने कहा कि अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना ही सेवा संकल्प अभियान का मूल उद्देश्य है। जनसेवा केवल दायित्व नहीं, बल्कि हमारा संकल्प है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि परसरामपुर श्रीश पाण्डेय, सरोज मिश्रा, अमरनाथ सिंह, शिवम पाण्डेय, राना सिंह, खंड विकास अधिकारी हर्रैया विनय द्विवेदी, एआरपी संतोष कुमार शुक्ल, राजकुमार सिंह, हरिकेश यादव, प्रिंस शुक्ला, संदीप चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी–कर्मचारी एवं क्षेत्रीय गणमान्यजन मौजूद रहे।

बाढ़ के बाद बारिश–आंधी से किसानों की फसल बर्बाद

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज में राप्ती नदी की बाढ़ से जूझ रहे किसानों की मुश्किलें कम नहीं हुई थीं। अब भारी बारिश और तेज आंधी–तूफान ने बची फसल भी बर्बाद कर दी। खेतों में खड़ी धान की फसल गिर गई, जिससे किसानों के सामने फिर आर्थिक संकट गहरा गया है। किसान जगराम, हीरालाल और ननकऊ ने बताया कि मौसम ने हर तरह से परीक्षा ली। पहले बाढ़ ने फसलें खराब कीं, फिर बची फसलों को बारिश ने नुकसान पहुंचाया। फसल गिरने से उत्पादन पर असर पड़ने की आशंका है। निजामुद्दीन के मुताबिक, एक फसल तैयार करने में महीनों की मेहनत और पूंजी लगती है। खाद, बीज, दवा, सिंचाई और मजदूरी पर खर्च होता है।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी राधेश्याम पुत्र स्वर्गीय श्री हरीराम ग्राम व पोस्ट– मझौवा बैकुण्ठ थाना– रूधौली जनपद बस्ती का निवासी है। मेरे तीन पुत्र अतुल, रामकुमार, और अंकुर हैं। मेरा बेटा रामकुमार परिवार के कहने सुनने में नहीं है और गलत संगत में पड़कर आये दिन कलह किया करता है। इससे दुःखी होकर मैं उसे अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी प्रकार के कृत्य, वाद, विवाद, लेन–देन आदि के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। अब उसका मेरे परिवार के साथ कोई सम्बन्ध नहीं है। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–394/2026

शिवनाथ
बनाम
रामानन्द आदि

1– रामानन्द उम्र 45 वर्ष 2 रामदीन उम्र 40 वर्ष पुत्रगण रंगी लाल ग्राम सोनबरसा तप्पा रामगढ़, परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

3. राम स्वरूप उम्र 60 वर्ष 4. विश्वनाथ उम्र 50 वर्ष पुत्रगण रामपाल निवासीगण सोनबरसा तप्पा रामगढ़, परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

5. कृष्ण कुमार उम्र 30 बर्ष 6. राकेश कुमार उम्र 42 वर्ष 7. राजेश कुमार उम्र 35 वर्ष 8. राम अवतार उम्र 28 वर्ष पुत्रगण झपसू 9. श्रीमती सुनरवास पत्नी झपसू 10. रामरूप उम्र 65 वर्ष 11. जयराम उम्र 62 वर्ष पुत्रगण राम पराग 12. राजितराम उम्र 60 वर्ष 13. मनोज कुमार उम्र 55 वर्ष पुत्रगण राम पराग 14. जीतेन्द्र कुमार उम्र 50 वर्ष 15. वीरेन्द्र कुमार उम्र 55 वर्ष 16. सुरेन्द्र कुमार उम्र 58 वर्ष पुत्रगण कृष्णकान्त 17. निर्मला देवी उम्र 65 वर्ष पत्नी रवीन्द्र पाठक 18. विवेक पाठक उम्र 30 वर्ष 12–अभिशेष पाठक उम्र 28 वर्ष पुत्रगण रवीन्द्र पाठक 20. मीना देवी उम्र 50 वर्ष पत्नी महेन्द्र निवासीगण सोनबरसा तप्पा रामगढ़, परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग

तारीख पेशी 19–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 19 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

बदलाव की उम्मीद से हमारी ओर देख रहा बुनकर समाज –अभिषेक दत्त

संवाददाता–गोरखपुर। बुनकर समाज की जनसभा में कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव अभिषेक दत्त ने कहा कि महंगी बिजली, हैंडलूम के सामान की बढ़ती कीमत और कारोबार बंद होने से बुनकर संकट में हैं। बदहाली से आजिज बुनकर समाज अब कांग्रेस की ओर उम्मीद से देख रहा है। आगामी चुनाव में यह वर्ग प्रदेश में बदलाव का संदेश देगा। अभिषेक दत्त, पुराने गोरखपुर इमामबाड़े के प्रांगण में महानगर कांग्रेस की ओर से आयोजित बुनकर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सम्मेलन में बुनकर विकास मंच उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद मोहिसिन अंसारी ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संबोधित सात सूत्री मांगपत्र अभिषेक दत्त को सौंपा। अभिषेक दत्त ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय गोरखनाथ में हैंडलूम कॉरपोरेशन के माध्यम से बुनकरों को लूम के सामान, कताई मिल का सूत और अन्य सामग्री सस्ते दामों पर मिलती थी। उनके मुताबिक इससे प्रदेश के करीब दो करोड़ बुनकर लाभान्वित होते थे। बाद में हैंडलूम कॉरपोरेशन बंद होने से बुनकरों को गुजरात से महंगे दाम पर सामान खरीदना पड़ रहा है। बुनकरों की दुकानें बंद हो रही हैं। कई लोग दुकान बेचने के बाद भी बिजली का बकाया नहीं चुका पा रहे हैं। कांग्रेस बुनकरों के अधिकारों के लिए बड़ी योजना लाकर उनकी समस्याओं का समाधान करेगी। सम्मेलन में कांग्रेस नेताओं ने बुनकरों की आर्थिक स्थिति, बंद होते हैंडलूम कारोबार और महंगी बिजली के मुद्दे को लेकर सरकार को घेरा। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष रवि प्रताप निषाद ने कहा कि बुनकर समाज आज महंगाई और बेरोजगारी की मार झेल रहा है। हैंडलूम की दुकानों पर ताले लग रहे हैं। उन्होंने कहा कि महानगर कांग्रेस बुनकरों की हर लड़ाई में उनके साथ खड़ी रहेगी। इस दौरान प्रदेश सचिव दिलीप कुमार निषाद, जिलाध्यक्ष राजेश तिवारी, तसलीम आलम अंसारी, डॉ. सैय्यद जमाल अहमद, सुहेल अंसारी, राकेश यादव, जावेद जमा अंसारी, उज्जैर खां समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन उज्जैर खां ने किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला का घर में मिला शव

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर एकसारा गांव में महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में घर में मिला। मृतका के भाई ने जीजा पर गला दबाकर हत्या का लगाया आरोप। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कालेज सद्दरपुर भेज दिया। मृतका के भाई द्वारा अपने जीजा के विरुद्ध अभियोग पंजीकृत करने के लिए तहरीर पुलिस को दी गयी है। पुलिस अभी पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के ग्राम दौलतपुर एक शहर निवासी रमेश गौड़ पुत्र रमापति की शादी वर्ष 2017 में बिंदु पुत्री राम कुशल के साथ हुई थी।

दोनों से तीन बच्चे पैदा हुए। बुधवार सुबह रमेश गौड़ के घर रोने की आवाज आने पर जब ग्रामीण पहुंचे तो बिंदू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो चुकी थी और शव जमीन पर रखा था। परिजनों का कहना है कि बहू बिंदू ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। बिंदू की मौत की खबर उसके मायके वालों को मिली तो वह लोग तत्काल दौलतपुर एकसारा पहुंचे और जब मृतका का शव देखा तो उसके गले पर निशान दिखा जिस पर मृतका के भाई राम सिंगार पुत्र राम कुशल द्वारा डायल 112 पुलिस को सूचना दी गयी जिसपर पीआरवी व इब्राहिमपुर थाने की पुलिस वहां पहुंची और शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कालेज भेजा। मृतका के भाई राम सिंगार का आरोप है कि उसके जीजा रमेश शराब का आदी है और बीति रात्रि शराब के नशे में उसने अपनी पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दिया और बचने के लिए आत्महत्या की एक झूठी कहानी गढ़ डाला। इतना ही नहीं राम सिंगार द्वारा एक तहरीर भी इब्राहिमपुर थाने पर दी गई है। उक्त घटना के सम्बंध में सीओ टांडा प्रदीप सिंह चंदेल ने बताया कि मृतका के भाई द्वारा जो भी आरोप लगाया गया है वह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट हो जाएगा पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–231/2017

उबैदुर्रहमान
बनाम
राम प्रकाश आदि

3/1 शमसुलहक 3/2 अनवारूल हक पुत्रगण फजुलुर्रहमान साकिनान मौजा गोपिया तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 08–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–43/2022

श्यामपती
बनाम
श्रीमती केवला आदि

1. श्रीमती केवला पत्नी स्व0 बैजनाथ 2. रामपती पत्नी आशाराम 3. ज्ञानमती पत्नी रामजीत 4. सुन्दरी पत्नी रामजग 5. लीलावती पत्नी रामजी 6. उदयराज पुत्र बलदेव समस्त निवासीगण ग्राम भटहाजंगल वार्ड नं–4 पटेलनगर नगर पंचायत बभनान तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–10–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 10 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
मूलवाद संख्या 292/2026
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) सिद्धार्थनगर जिला–सिद्धार्थनगर

रोहित अग्रहरी
बनाम
अब्दुल अजीम खान आदि

1. अब्दुल अजीम खान उम्र करीब 30 वर्ष पुत्र अब्दुल नईम खान 2. अब्दुल नईम खान उम्र करीब 67 वर्ष 3. अब्दुल हलीम खान उम्र करीब 70 वर्ष पुत्रगण हकीम अब्दुल मन्नान खॉ निवासीगण ग्राम थरौली मु0 आजाद नगर नगर पालिका तेतरी बाजार तप्पा थरौली परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर 6. अब्दुल मुईम उर्फ अब्दुल मोईम खान उम्र करीब 60 वर्ष पुत्र हकीम अब्दुल मन्नान निवासी मु0 आजाद नगर सोना लाज के पास नगर पालिका परिषद तेतरी बाजार तप्पा थरौली परगना व तहसील नौगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 24–10–2026

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **24–10–2026** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख **29–09–2026** को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com